

सुगंध स्त्री. (तत्.) 1. ऐसी गंध जो प्रिय लगती हो, प्रिय महक, सुवास, खुशबू 2. वह पदार्थ जिसमें से अच्छी गंध निकलती हो, खुशबूदार चीज 3. अगिया घास, गंधतृण 4. गंधराज 5. नील कमल 6. काला जीरा 7. गठिवन 8. चना 9. भूतृण 10. लाल सहिजन 11. मरुआ 12. माधवी लता 13. कसेख 14. सफेद ज्वार 15. केवड़ा 16. खसा घास 17. शिलारस 18. राल, धूना 19. गंधक 20. एक प्रकार का कीड़ा वि. 1. गंधयुक्त 2. सुगंध से युक्त, सुगंधित 3. यशस्वी (तत्.) 1. रासन, कालाजीरा, कपूर कचरी, कद्रजटा, सौंफ, बाँझ ककोड़ा, नवमल्लिका, नेवारी, पीली जूही, नकुल कंद, असबरग, सलई माधवी लता, अनंतमूल, बिजौरा नींबू, मुलसी, निर्गुण्डी, एलुआ, बकुची, आदि जैसे सुगंधित पदार्थ 2. माधव वन में रहने वाली एक देवी जिसके स्थान की गणना बाइस पीठों में की जाती है।

सुगंधक पुं. (तत्.) 1. द्रोण पुष्पी, गूमा 2. साठी धान 3. धरणी कंद, कंदालु 4. लाल तुलसी 5. गंध तृण 6. नारंगी 7. ककोड़ा 8. गंधक।

सुगंध केसर पुं. (तत्.) लाख सहिजन।

सुगंध कोकिला स्त्री. (तत्.) गंध कोकिला नामक गंध द्रव्य।

सुगंध गंधा स्त्री. (तत्.) दारुहल्दी, दारुहरिद्रा।

सुगंध गण पुं. (तत्.) वैद्यक में सुगंधित द्रव्यों का एक गण या वर्ग।

सुगंध तृण पुं. (तत्.) गंध तृण, रूसा घास।

सुगंध-त्रिफला स्त्री. (तत्.) तीन सुगंध वाले फल अर्थात् जायफल, लोंग और इलाचयी।

सुगंधन पुं. (तत्.) जीरा, जिसका उपयोग भोजन के मसाले के रूप में किया जाता है।

सुगंध-पत्रा स्त्री. (तत्.) सुगंधित वाले पत्र जैसे रुद्रजटा, शतावरी, वृहती, क्षुद्र दुरालया, अपराजिता, बला, विधारा, तुलसी, धमासा, कठ जामुन, बनभाँटा, जीरा, बरियारा।

सुगंध बाला स्त्री. (तत्.) एक सुगंधित वनौषधि जो ज्वर, अतिसार, रक्त-विकार आदि के उपचार में दी जाती है।

सुगंध-भय पुं. (तत्.) तीन सुगंधित वस्तुएँ अर्थात् चंदन, बला और नागकेसर, इन तीनों का समूह।

सुगंधभूतृण पुं. (तत्.) रूसा, घास, गंधतृण, अगिया घास।

सुगंध-मुख्या स्त्री. (तत्.) कस्तूरी, एक सुगंधित द्रव्य जिसे कस्तूरी मृग की नाभि से प्राप्त किया जाता है, मृगन, सुगंधिका।

सुगंध मूला स्त्री. (तत्.) 1. स्थल-कमल 2. रासना 3. आंवला 4. कपूर कचरी 5. हरफा रेवड़ी आदि।

सुगंध मूली स्त्री. (तत्.) गंध पलासी, कपूर कचरी।

सुगंध मूषिका स्त्री. (तत्.) छछूंदर।

सुगंधरा पुं. (तत्.) एक प्रकार का क्षुप और उसका फूल।

सुगंध रोहिष पुं. (तत्.) रोहिष घास, अगिया घास।

सुगंध वल्कल पुं. (तत्.) दालचीनी, दाली चीनी पेड़ की छाल (वल्कल) में सुगंध होती है जिसका उपयोग मसाले के रूप में किया जाता है, इसमें औषधीय गुण भी होते हैं।

सुगंध-शालि पुं. (तत्.) बासमती चावल, सुगंधाढ्या।

सुगंध षट्क पुं. (तत्.) जायफल, कंकोल, लोंग, इलाचयी, कपूर और सुपारी इन छह वस्तुओं का समूह।

सुगंध-सार पुं. (तत्.) सागोन, शालवृक्ष।

सुगंधाढ्य स्त्री. (तत्.) सुगंधित, खुशबूदार।

सुगंधाढ्या स्त्री. (तत्.) 1. त्रिपुरमाली, त्रिपुर मल्लिका 2. बासमती चावल।

सुगंधिक पुं. (तत्.) 1. गांडर की जड़, उशीर, खस 2. बासमती चावल 3. कुमुदिनी 4. पुष्करमूल 5. काला-जीरा 6. मोथा 7. एलुआ 8. शिलारस, 9. कपित्थ 10. पुन्नाग 11. गंधक आदि।